B.Ed. Ist year

Teaching of social science

Topic :- ट्यूटोरियल्स (अनुवर्ग) आव्यूह
(Tutorials strategy)

ट्यूटोरियल को प्रभुत्ववादी और प्रजातांत्रिक दोनो प्रकार का आव्यूह माना जाता है। इसमे सामूहिक शिक्षण की समस्याओं का समाधान किया जाता है। सामूहिक शिक्षण (कक्षा शिक्षण) मे शिक्षक प्रत्येक छात्र का ध्यान नही रख सकता है।
अत: इस समस्या के समाधान हेतु इस आव्यूह मे कक्षा को छोटे-2 अनुवर्ग (समूह) मे बाँट दिया जाता है और एक अनुवर्ग को एक शिक्षक के अधिकार मे रख दिया जाता है। इस प्रकार के शिक्षण को अनुवर्ग (ट्यूटोरियल्स) कहा जाता है। अत: ट्यूटोरियल्स शिक्षा की एक प्रणाली है।

* ट्यूटोरियल्स के उद्देश्य *

⇒ व्यक्तिगत भिन्नता के आधार पर शिक्षण व अन्य समस्याओं का समाधान करना।

⇒ शिक्षक और छात्र मे निकट सम्पर्क स्थापित करना जिससे छात्र अपनी समस्याएँ स्पष्ट कर सके।

⇒ छात्रो की समस्या हेतु आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत रूप से निर्देशन प्रदान करना।

⇒ छात्रो की कठिनाइयो को दूर करने के लिए उपचारात्मक शिक्षण व्यवस्था सुविधापूर्वक करना।

⇒ छात्रो को व्यक्तिगत कठिनाइयो का समाधान खोजने मे सहायता करना।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अनुवर्ग (ट्यूटोरियल) शिक्षण व्यूह के प्रकार

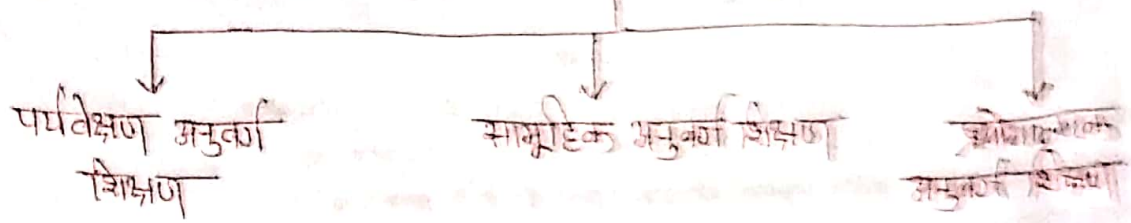

1. पर्यवेक्षण अनुवर्ग शिक्षण

इस अनुवर्ग मे पाठ्यवस्तु की गहनता को महत्व दिया जाता है और पाठ्यवस्तु पर स्वामित्व के अधिक अवसर प्रदान किये जाते है। यह प्रतिभाशाली छात्रो के लिए अधिक उपयुक्त है। शिक्षक और छात्र नियमित रूप से मिलकर समस्याओ का समाधान खोजते है।

2. सामूहिक अनुवर्ग शिक्षण

इस वर्ग के अन्तर्गत सामान्य छात्र आते है। यह सामान्य वर्ग के छात्रो की आवश्यकताओ की पूर्ति करता है। इसके अध्यापक के लिए आवश्यक है कि वह समाज मनोविज्ञान का ज्ञान रखता हो और उसे सामूहिक गतिशीलता का बोध होना चाहिए। क्योकि सामान्य वर्ग के छात्रो की समस्याएँ भी व्यक्तिगत के साथ-2 से जुडी हो सकती है।

3. प्रयोगात्मक अनुवर्ग शिक्षण

यह वर्ग क्रियात्मक पक्ष के उद्देश्यों की प्राप्ति से सम्बन्धित है। इसका प्रयोग दोनो परिस्थितियो मे किया जा सकता है। ये परिस्थितियाँ सामूहिक हो या व्यक्तिगत। इसमे छात्रो को शारीरिक कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसलिए वे किसी प्रयोगशाला अथवा किसी वर्कशॉप मे कार्य करते है और उच्च स्तर के उद्देश्यो की प्राप्ति करते है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

※ ट्यूटोरियल्स (अनुवर्ग) की विशेषताएँ अथवा गुण ※

⇒ ट्यूटोरियल्स एक महत्त्वपूर्ण विधि है इसके द्वारा व्यक्तिगत शिक्षण को अत्यधिक उपयोगी बनाया जाता है। इसमें छात्र अपनी कठिनाइयो को दूर करने मे सफल हो जाता है।

⇒ इस विधि द्वारा छात्र अपनी समस्याओ का समाधान करता है।

⇒ इस विधी द्वारा छात्र के पूर्व ज्ञान के अभाव को भी दूर किया जा सकता है। शिक्षक निर्देशन व परामर्श इस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

⇒ इसके द्वारा छात्रो की कठिनाइयो का पता लगाकर उनके लिए शिक्षक उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करते है।

⇒ यह विधि शिक्षण के सुधार पर बल देती है और छात्रो की उपलब्धियाँ बढ़ाने की दृष्टि से उपयोगी है।

⇒ इस विधी का प्रयोग आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से किया जाता है। यह समस्या समाधान की अमूल्य विधि है।

※ ट्यूटोरियल्स (अनुवर्ग) की सीमाएँ अथवा दोष ※

⇒ इसके अन्तर्गत शिक्षक का व्यवहार पक्षपातपूर्ण होने से सभी छात्रो की समस्या का समाधान नही करते।

⇒ जो छात्र अधिक बोलते है वे कम बोलने वाले छात्रो को अवसर नही देने देते। और सभी छात्रो की समस्या का समाधान नही हो पाता।

⇒ यह विधि कक्षा के वर्गो मे स्पर्धा की भावना बढ़ा देती है। जिसमे छात्रो मे आपसी वैमनस्य बढ़ जाता है।

⇒ इस विधि मे शिक्षक अपने विषय मे ही अधिक रुचि लेते है और यदि समस्या दूसरे विषय से सम्बन्धित है तो वे उसमे उत्साह नही दिखाते। इसलिए वे सभी विषयो की समस्या दूर नही कर पाते है।

Thank you

by
Mr. Ramveer Raj
Assis. Prof
B.R.C. Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner